मासिक समाचार पत्र

title-code-MPHIN35679

आधार जायसवाल, इंदौर
15/02/2016

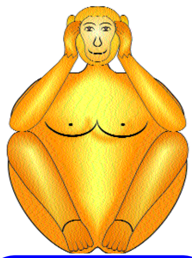

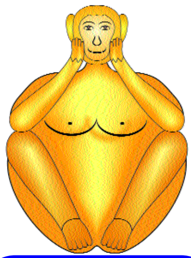

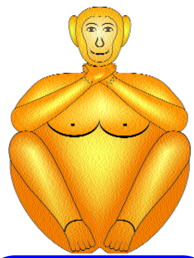

कार्ड शिवहरे,जबलपुर
02/02/2015

बुरा मत सोचो बुरा मत मानो बुरा मत करो

संपादक : आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल द्वारा बंदरों की परिकल्पना 16 मई 2010 (जनहित में जारी)

वर्ष-3 | अंक : 10 | इंदौर, 15 दिसम्बर 2022 | पृष्ठ : 8 | मूल्य- 1 रुपये

सुविचारः हर प्रयास गलतियों की शुरुवात से प्रारंभ होता है:- आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल

Aadhaarcardkejanaksuniljaiswal@gmail.com

'घर परिवार और अपनो को मुझे बचाना है मुझे आज ही वैक्सीन लगवाना है'

राजस्थान-उदयपुर में आधार कार्ड जनक सुनील जायसवाल का सम्मान...

अतिविशिष्ट सम्मान समारोह में आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल इंदौर को सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम के अवसर पर जनक द्वारा लिखित आधार कार्ड के जन्म की कहानी आधारायण ग्रंथ आईका के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार गुप्ता एवं श्री. एमएस. आहलूवालिया (मोटिवेशनल उद्बोधक, सदस्य, जीव जन्तु बोर्ड, भारत सरकार) को भेंट की गई।

आधार का हाथ जीवन भर का साथ

।। सुन्नू 60 के जो तुम हो गए हो आज।।

04.20 29 सितंबर 1962 इंदौर 00.00 29 सितंबर 2022

कविता

सुनील 60 के तुम हो गये आज,
बचपन बिता जवानी आई,
एक - एक करके बिते यह पल,
हो गये तुम आज अधेड़,
न जाने कैसे बिते होगें तुम्हारे पल अनेक,
60 के जो तुम हो गये आज,
सब गये तुम्हारे दादा परदादा तुम भी जाओगे,
बनोगे तुम परदादा करोगे जब कुछ नेक काम,
दुनिया को बहुत याद जब तुम आओगे,
बेठाती नहीं दुनिया किसी को सर पर ,
जबतक तुम जनजन का भला नहीं कर जाओगे,
रोदं देती है दुनिया उन्हें अपने पेरों तले,
जब तुम काम कोई गलत कर जाओगे,
देखो 60 के जो तुम हो गये आज,
मां,बापू ने कहा था एक दिन जेसेतेसे भी हो पर,
तुम 60 के हो जाना दुआ मां बापू की कामआई,
जो 60 के हो गए हैं हम आज,
जिना मरना सब उसके हाथ,
कर्म हमारे - हमारे साथ,
तिनका तिनका नेकी जोड़ते रहे कर्मो की,
दाने चुग गई सब समय सारणी,
60 के जो हम हो गए आज।

29 सितंबर 2022 को 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर जन्मदिन एवं आधार कार्ड दिवस की हार्दिक हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

लेखक कवि आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल दारूवाला इंदौर मध्यप्रदेश भारत

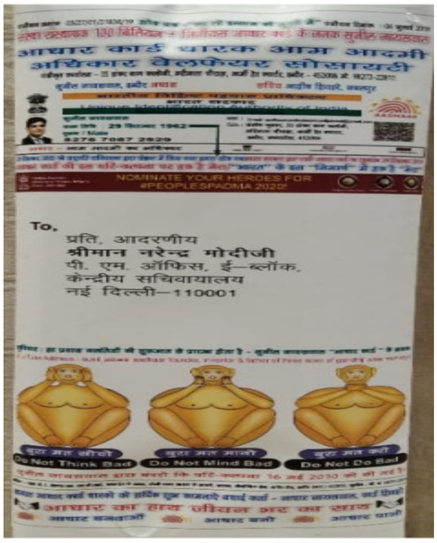

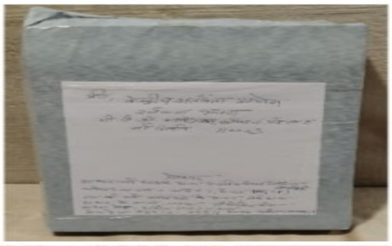

Mumbai Raitar B...
last seen today at 11:41
You
एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज मध्य प्रदेश इंदौर। Aadhaar Card ke janak Sunil jaiswal Indor...

भारत में किसी भी नवीन विषय की खोज करने वाले भारतीय जिज्ञासु विद्वानों के प्रेरणा स्त्रोत बने श्री सुनिलजी जायसवाल इंदौर की जीवन कथा को पढ़ना चाहिए, की एक ईमानदार व मेहनती इंसान के आधार कार्ड के कापीराइट को चुराकर अपने नाम कराने वाले षड्यंत्रकारी लोगो के कारण उन्हे जीवन के 10 वर्षो से अधिक समय अनावश्यक संघर्ष करने के बाद अब उन्हें अपने नाम के अधिकार प्राप्त हुआ है, ऐसी सच्ची घटना को जीवन में एक बार अवश्य पढ़कर जानकारी लेना चाहिए, ताकि आपका हौसला बढ़े और आपके जीवन में चाहे जितने उतार चढ़ाव आए लेकिन वह अपने लक्ष्य को पाने में सिद्ध हो जाता है, ये मेरा नजरो देखा अनुभव बया कर रहा हूं, खोजकर्ता – 9833081119 सिरोही 🙏

आधार सेवा दिवस के रुप में मनाया आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवा...
www.youtube.com

https://youtu.be/fs5XgHEaZBc

08:52

स्नेह–आमंत्रण

डॉ० काशी प्रसाद जायसवाल जयंती

भारतरत्न दो

जन्म : 27 नवम्बर, 1881 (मिर्जापुर, उ०प्र०)

निर्वाण : 04 अगस्त, 1937 (पटना, बिहार)

142वाँ जन्मोत्सव

दिनांक : 27 नवम्बर 2022, दिन रविवार, समय 11:00 बजे
स्थान : बौद्ध संस्थान (फन मॉल के सामने) रिजर्व बैंक के पास, गोमती नगर, लखनऊ

मुख्य अतिथि	विशिष्ट अतिथि	अध्यक्षता
मा० डॉ० दिनेश शर्मा पूर्व उप मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार	मा० (श्रीमती) अनुपमा जायसवाल पूर्व राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार, उत्तर प्रदेश सरकार विधायक सदर, बहराइच	मा० रवीन्द्र जायसवाल राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार स्टाम्प, न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन उत्तर प्रदेश सरकार

विशिष्ट अतिथिगण

श्रीमती संयुक्ता भाटिया महापौर, नगर निगम लखनऊ	श्री रमेश जायसवाल विधायक, मुगलसराय	श्री मनीष जायसवाल विधायक, सदर पडरौना
श्री संजय प्रताप जायसवाल पूर्व विधायक, रूदौली बस्ती	श्री रमाशंकर जायसवाल उपसभापति, पीसीएफ	श्रीमती मिथिलेश चौहान पार्षद, विकास नगर, लखनऊ
इं० जी०पी० जायसवाल अध्यक्ष प्रबुद्ध जायसवाल कल्याण समिति	मनीष जायसवाल (एडवोकेट) स्वागताध्यक्ष प्रबुद्ध जायसवाल कल्याण समिति	सुरेश जायसवाल महामंत्री प्रबुद्ध जायसवाल कल्याण समिति

आलोचना करना आपकी मृत्यु का कारण बन सकता है

आलोचना करना क्या होता है? आलोचना करना किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान के बारे में नकारात्मक बातें करना आलोचना करना कहलाता है। यदि हम हमारे आसपास नजरें घूमाकर देखें तो पाएंगे कि अधिकांश लोग एक-दूसरे के बारे में बुरा-भला कह रहे हैं। आज कल लोग अच्छाई से ज्यादा लोगों में बुराई खोजते हैं जिसके कारण रिश्तों में दूरी होती जा रही है और आपस में प्रेमभाव की अपेक्षा एक-दूसरे के प्रति नफरत पैदा हो रही है। अब मैं आप को एक उदाहरण के माध्यम से बताने वाला हूं। इलिनाय में वकील के तौर पर प्रैक्टिस करते समय भी लिंकन खुलकर अपने विरोधियों पर आलोचना भरे पत्र लिखते थे और उन्हें समाचार पत्रों में प्रकाशित करवाते थे, लेकिन एक बार तो बात ज्यादा ही बिगड़ गई थी।

सन् 1842 में लिंकन ने जेम्स शील्ड्स नाम के घमंडी तथा चिड़चिड़े राजनेता पर व्यंग्य भेजा, जो अमेरिका के स्प्रिंगफील्ड जर्नल में छप गया, उसे देखकर सारा शहर जेम्स का मजाक उड़ा रहा था तब वह आगबबूला हो गया था। उसने पता लगाने का प्रयास किया कि ऐसा किसने किया है, तब उसे पता लगा कि यह हरकत लिंकन की है, तब शील्ड्स घोड़े पर सवार हुए और लिंकन के सामने गए और उसे द्वंद्व युद्ध के लिए ललकारा, तब लिंकन ने अपना आत्मसम्मान बचाने के लिए युद्ध के लिए हां कर दिया। तब लिंकन ने युद्ध के लिए हथियार के लिए तलवार को चुना। युद्ध में एक की मौत होना तय थी मगर आखिरी क्षणों में के मित्रों के बीचबचाव के द्वंद युद्ध टल गया। हालांकि लिंकन के जीवन की यह सबसे दुःखद घटना थी, लेकिन इस घटना से उन्होंने एक सबक भी सीख लिया। इसके बाद उन्होंने कभी किसी को अपमानजनक पत्र नहीं लिखे। लोगों का मजाक उड़ाना छोड़ दिया, फिर तो उन्होंने अपने शब्दकोश में से 'आलोचना' शब्द को ही निकाल फेंका।

" किसी की भी आलोचना भूलकर भी मत करो। इससे आपको भी आलोचना का सामना नहीं करना पड़ेगा।"

-अब्राहम लिंकन (अमेरिका के भूतपूर्व राष्ट्रपति)

- इस घटना से हमें सबक लेना चाहिए कि तीखी आलोचना हमेशा ही व्यर्थ होती है और इससे किसी भी तरह का लाभ हमें नहीं मिलता है।

-अति अभद्र रह चुके बेंजामिन फ्रैंकलिन आगे जाकर इतने कूटनीतिक बन गए, इतने व्यवहार कुशल बन गए कि उनको फ्रांस राजदूत के रूप में भेजा गया था। आखिर क्या था उनकी सफलता का रहस्य? उनका कथन था.... मैं किसी के भी विषय में बुरा नहीं बोलूंगा, हर किसी के बारे में केवल अच्छी बात ही बोलूंगा। तो बुराई करना, निंदा करना, शिकायत करना, आलोचना करना, ये सब करना बहुत आसान होता है। कोई मूर्ख ही ऐसा कर सकता है या फिर यूं कहें कि ज्यादातर मूर्ख यही तो करते हैं, लेकिन लोगों को समझने और उनको क्षमा करने के लिए व्यक्ति को बहुत समझदारी तथा संयम की आवश्यकता होती है। अतः लोगों की बुराई करने से हमें बचना चाहिए।

-लेखक- अंश ग

On the occasion of NATUROPATHY DAY
Five days free yoga and naturopathy sessions
(offline and online)

Date - *Monday 14 November to 18 November*
Time -
Morning- 6:30am to 7:45am (online only)
Morning-10:30am to 11.45am *(online and offline)*
Evening-6:45pm to 8:00pm *(online and offline)*
Venue - sec. 6, Regency Garden, Kharghar.

Content
Aasan
Pranayam
Meditation
Yoga nidra
Sukshma vyayam
Suryanamaskar
Knowledge sessions based on naturopathy
Naturopathy tips
Food plan

Please do connect For registration 9321961155

Conducted by Bindushri Jaiswal, MSc. & DNYS, Yoga and Naturopath professional with 30 years of experience, certified by QCI/YCB Yoga level two and YSM, General Secretary of INO Navi Mumbai, Pranic healer for Psychosomatic Disorder.

सिलीगुड़ी (प.बंगाल)। पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी शहर में अंतरराष्ट्रीय कलचुरी महाधिवेशन की पूर्व संध्या पर ही 'कलचुरी महाकुंभ' का माहौल बन गया है। यहां कलवार पैलेस में देशभर से आए कलचुरी बंधुओं के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया की जा रही है। समाचार लिखे जाने तक अतिथियों के सम्मान में सांस्कृतिक संध्या का कार्यक्रम शुरू हो चुका है।

23:20

Public
Google Play
इंस्टॉल करें

...स के मुख्य अतिथि बिहार के उपमुख्यमंत्री श्री तारकिशोर प्रसाद कल सुबह सिलगुड़ी पहुंचेंगे और महाकुंभ के उदघाटन सत्र में भाग लेंगे। विशिष्ट अतिथि हरिद्वार के अवधूतमंडल आश्रम से महामंडलेश्वर श्रीश्री 1008 स्वामी संतोषानंद देवजी महाराज पहुंच चुके हैं। राष्ट्रीय कलचुरी एकता महासंघ की राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती अर्चना जायसवाल, वयोवृद्ध समाजसेवी एवं अखिल भारतीय जायसवाल समवर्गीय महासभा के संरक्षक श्री बसंतलाल सावजी (निको इंडस्ट्रीज, नागपुर), महासभा के अध्यक्ष श्री लालचंद गुप्ता (मुंबई), संत स्वामी श्री ओमप्रकाश जी (नई दिल्ली), राष्ट्रीय कलचुरी एकता महासंघ की मध्यप्रदेश इकाई के अध्यक्ष श्री राकेश राय, कार्यकारी अध्यक्ष श्री किशोर राय, राष्ट्रीय सचिव श्री विष्णु शिवहरे एडवोकेट (झांसी), राष्ट्रीय संगठन मंत्री पंकज चौकसे, कमलेंद्र जायसवाल (प्रयागराज), मानक मेवाड़ा (उदयपुर), रजनीश सुवालका (बाड़मेर), दीपक जायसवाल एवं श्रीमती स्मृति जायसवाल (रांची) समेत देश के अलग-अलग हिस्सों से प्रमुख समाजसेवी पहुंच रहे हैं।

Contact us

Ashok Jaiswal Tent
Forwarded many times

👆 किसी भी भाई को लकवे की बीमारी हो या पैरों से विकलांग हो चलाया नहीं जा रहा निंबाहेड़ा के पास खोडीप गांव में इलाज हो रहा है मुफ्त सेवा

04:51

Ashok Jaiswal Tent
Forwarded many times

चितोड़गढ़ राजस्थान के निम्बाहेड़ा तहसील के गांव खोड़ीप जो निम्बाहेड़ा से 13 किलोमीटर दुर उदयपुर पर ढोरिया गांव से थोड़ा आगे लेफ्ट साईड में मेंन रोड़ से एक किलोमीटर अंदर है खोड़ीप गांव ।

04:51

भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक 100 बिलियन + जिनियस सुनील जायसवाल

व समस्त जायसवाल, शिवहरे, राय एवं कल्चूरी, कलाल, कलवार, कलार समाज

द्वारा समस्त प्रियजनों को हृदय की गहराइयों से हार्दिक बधाईयां एवं शुभकामनाएं

" करता सब के कल्याण का है काम यही आधार कार्ड का काम "

भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक 100 बिलियन + जिनियस सुनील जायसवाल

व समस्त जायसवाल, शिवहरे, राय एवं कल्चूरी, कलाल, कलवार, कलार समाज

द्वारा समस्त प्रियजनों को हृदय की गहराइयों से हार्दिक बधाईयां एवं शुभकामनाएं

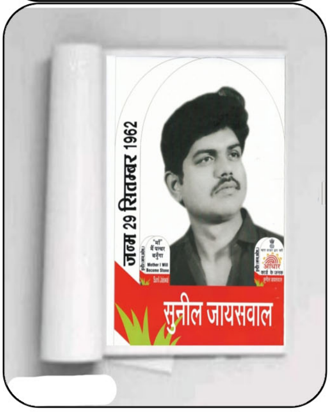

“ करता सब के कल्याण का है काम यही आधार कार्ड का काम ”

Happy Birthday

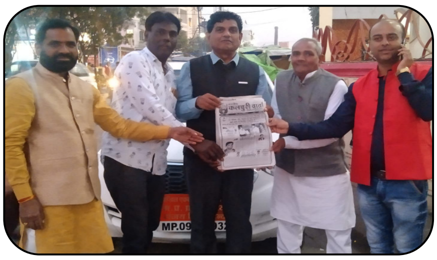

सोशल मिडिया पर प्रतिदिन प्रसारित

9827222811 E-mail - aadhaarcardkejanaksuniljaiswal@gmail.com
http://www.aadhaarcardkejanaksuniljaiswalindore.com
https://youtu.be/xurY3eQIrSI https://youtu.be/0XQf02Ub6fk

सुविचार

भारत सरकार द्वारा जारी
आधार कार्ड के जनक
सुनील जायसवाल
100 बिलियन+ जिनियस
लेखक–सुविचारक

I have to save house family and ours want it to get vaccination today itself.

II घर परिवार और अपनों को मुझे बचाना है, मुझे आज ही वैक्सीन लगवाना है II

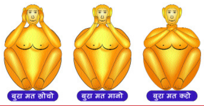

पंजीयन क्रमांक 03/27/01/21830/19 शोध पत्र –"कर लो इन्सान को मुठ्ठी में" पंजीयन दिनांक : 06 जुलाई 2019
संस्था संस्थापक 100 मिलेनीयम + जिनीयस आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल
आधार कार्ड धारक आम आदमी अधिकार वेलफेयर सोसायटी
पंजीकृत कार्यालय - 35 शंकर बाग कालोनी, मरीमाता चौराहा, आर्मी हेड क्वार्टर, इन्दौर - 452006 मो. 98272-22811

आधार कार्ड में यह जानकारी नहीं की अपडेट, तो नहीं मिलेगा सरकारी योजनाओं का लाभ

आधार कार्ड एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जो आज के समय में भारत के निवासियों के लिए अहम हो चुका है. आधार कार्ड में 12 अंकों का पहचान नंबर होता है. साथ ही इसमें बायोमेट्रिक जानकारी से लेकर व्यक्ति की नाम, उम्र और एड्रेस की पूरी जानकारी छिपी रहती है. आधार कार्ड को एक ही बार जारी किया जाता है, जिसे भारत के निवासियों के साथ ही एनआरआई भी बनवा सकते हैं. आधा कार्ड यूआईडीएआई की आर से जारी किया जाता है.

अगर आपका सरनेम, एड्रेस या फिर कुछ और चेंज होता है तो आप समय-समय पर अपडेट करा सकते हैं. किसी भी सरकारी योजना का लाभ लेने के लिए जरूरी है कि आधार कार्ड में `POI' और 'POA' अपडेट रहे. अगर यह अपडेट नहीं रहता है तो सरकारी स्कीम का आप लाभ नहीं उठा पाएंगे. आइए जानते हैं क्या है 'POI' और 'POA'.

UIDAI ने दी जानकारी

आधार कार्ड जारी करने वाली संस्था ने ट्विटर पर जानकारी दी है कि सरकारी और गैर-सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए आपके आधार कार्ड में 'POI' और 'POA' जानकारी अपडेट होना जरूरी है. आधार में यह जानकारी अपडेट करने के लिए 25 रुपये का चार्ज भी देना होगा. हालांकि, अगर आप ऑफलाइन तरीके से यह काम करवाते हैं तो आपको 50 रुपये का चार्ज देना होगा.

क्या होता है 'POI' और 'POA' का मतलब

आधार कार्ड में 'POI' और 'POA' का मतलब प्रूफ ऑफ आइडेंटिटी और प्रूफ ऑफ एड्रेस है. आधार कार्ड में एड्रेस और आइडेंटिटी को बताने वाले दस्तावेजों को अपडेट कराना आवश्यक है. इसे अपडेट कराने के लिए आप राशन कार्ड, वोटर आईडी कार्ड, बिजली बिल, पैन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस का इस्तेमाल करा सकते हैं.

बायोमेट्रिक अपडेट के लिए चार्ज

अगर कोई आधार कार्ड धारक बायोमेट्रिक को अपडेट कराता है तो उसे बायोमेट्रिक अपडेट कराने के लिए 100 रुपये का चार्ज देना होगा. छोटे बच्चों को आधार कार्ड में बायोमेट्रिक जानकारी दो बार अपडेट कराना होता है. वरना वह आधार कार्ड का उपयोग नहीं कर पाएगा. बायोमेट्रिक को अपडेट कराने के लिए किसी भी कार्ड धारक को आधार सेंटर पर जाना होगा.

नवजात शिशु के लिए बनवाएं आधार कार्ड, घर बैठे करें आवेदन, जानें प्रक्रिया

आधार कार्ड भारत में महत्वपूर्ण पहचान दस्तावेजों में से एक है। उम्र की परवाह किए बिना, हर कोई आधार कार्ड के लिए नामांकन कर सकता है, यहां तक कि नवजात बच्चे के लिए भी आवेदन किया जा सकता है। बच्चों के लिए आधार कार्ड को बाल आधार कार्ड या ब्लू आधार कार्ड के रूप में जाना जाता है। IDAI के आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से, व्यक्ति आधार कार्ड पर उल्लिखित अपनी व्यक्तिगत जानकारी को ऑनलाइन अपडेट कर सकते हैं। सरकार ने 5 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए 'blue aadhar card' लॉन्च किया है।

बाल आधार या ब्लू आधार कार्ड पांच साल से कम उम्र के बच्चों के लिए नीले रंग का कार्ड है और यह मुफ्त है। ब्लू आधार के लिए बच्चे की बायोमेट्रिक जानकारी (फिंगरप्रिंट और आईरिस स्कैन) की आवश्यकता नहीं होती है। जब बच्चा 5 साल का हो जाता है, तो उसके

बायोमेट्रिक्स (चेहरे की तस्वीर, आईरिस स्कैन और उंगलियों के निशान) को आधार कार्ड पर अनिवार्य रूप से अपडेट करना होता है।

यूआईडीएआई की आधिकारिक वेबसाइट - uidai.gov.in पर जाएं

आधार कार्ड रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करें।

बच्चे का नाम, माता-पिता का फोन नंबर, ई-मेल पता आदि सहित सभी क्रेडेंशियल दर्ज करें।

सभी जनसांख्यिकीय जानकारी जैसे आवासीय पता, इलाका, जिला, राज्य आदि भरें।

आगे बढ़ें और फिक्स्ड अपॉइंटमेंट टैब पर क्लिक करें। आधार कार्ड के लिए पंजीकरण की तिथि निर्धारित करें।

नामांकन प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए आवेदक निकटतम नामांकन केंद्र चुन सकता है।

इन बातों का रखें ध्यान

डेट पर सभी आवश्यक दस्तावेज और फॉर्म के प्रिंटआउट के साथ संदर्भ नंबर को अपने साथ केंद्र ले जाना न भूलें। दस्तावेजों के साथ एक रेफरेंस नंबर लें। एक बार संबंधित अधिकारी सत्यापन कर लें और यदि बच्चे की उम्र 5 वर्ष है, तो बायोमेट्रिक जानकारी प्राप्त की जाएगी और इसे आधार कार्ड से जोड़ा जाएगा। यदि बच्चा पांच वर्ष से कम का है, तो केवल एक फोटो लिया जाएगा और किसी बायोमेट्रिक डेटा की आवश्यकता नहीं होगी।

(साभार हिन्दी न्यूज 24 ऑनलाइन)

सभी मोबाइल आधार से होंगे लिंक! ऐसे घर बैठे हो जाएगा काम

नई दिल्ली। आधार कार्ड से मोबाइल नंबर लिंक करना अनिवार्य होता है। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो आपको सरकारी सेवाओं का लुत्फ उठाने में मुसीबत का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल अगर आपका आधार कार्ड आपके मोबाइल नंबर से अटैच है, तो हर एक अपडेट आपके मोबाइल नंबर पर मिलेगा। आधार खोए हुए आधार कार्ड को खोजने या आवश्यकता पड़ने पर ई-कॉपी डाउनलोड करने में मदद करता है। क्या आपको मालूम है कि आप आधार सेवा केंद्र पर जाए बिना अपना मोबाइल नंबर ऑनलाइन लिंक कर सकते हैं। आइए जानते हैं विस्तार से..

कैसे आधार से मोबाइल नंबर करें लिंक

आपको इंडियन पोस्टल सर्विस वेबसाइट पर विजिट करना होगा।

इसके बाद अपना नाम, पता, मोबाइल नंबर, ईमेल डिटेल दर्ज करनी होगी।अब ड्रॉप-डाउन मेनू में PPB-Aadhaar

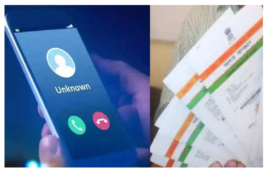

सर्विस को सेलेक्ट करना होगा।

इसके बाद UIDAI-Mobile/Email to Aadhaar linking/update पर क्लिक करना होगा और फिर डिटेल दर्ज करनी होंगी।

इसके बाद आपके नंबर पर ओटीपी आएगा। ओटीपी डालने के बाद कंफर्म सर्विस रिक्वेस्ट पर क्लिक करना होगा।

इसके बाद एक रेफरेंस नंबर मिलेगा, जिससे एप्लीकेशन स्टेटस को ट्रैक किया जा सकेगा। इसके बाद आपके एप्लीकेशन को नजदीकी पोस्ट ऑफिस वेरिफिकेशन के लिए भेज दिया जाएगा। इसके बाद पोस्ट ऑफिस अधिकारी आपके एड्रेस पर विजिट करके आपसे बॉयोमेट्रिक डिटेल हासिल करेगा। इसके लिए आपसे 50 रुपये चार्ज किया जाएगा।

आधार से मोबाइल लिंक है या नहीं? ऐसे करें चेक

IDAI की ऑफिशियल वेबसाइट पर विजिट करना होगा।

इसके बाद टॉप लेफ्ट कार्नर पर दिखने वाले MyAadhaar ऑप्शन पर क्लिक करना होगा।

इसके बाद verify my email/mobile number पर क्लिक करना होगा। यह ऑप्शन आधार सर्विस सेक्शन के नीच उपलब्ध होता है।

इसके बाद आपको कार्ड नंबर, मोबाइल नंबर, कैप्चा जैसी जानकारी दर्ज करनी होगी।

इस तरह आपको मालूम चल जाएगा कि आधार मोबाइल नंबर से लिंक है या नहीं

(साभार नवभारत)

समस्त आधार कार्ड धारको को हार्दिक शुभ कामनाऐ बधाई कर्ता - आधार जायसवाल, कार्ड शिवहरे
आधार का हाथ जीवन भर का साथ
आधार बनवाओ आधार बनो आधार पाओ

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुनील जायसवाल द्वारा पकंज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ, इंडस्ट्रियल एरिया, इंदौर (मप्र) से मुद्रित एवं 35 शंकरबाग कालोनी, मरीमाता चौराहा, इंदौर, 452006 से प्रकाशित प्रबंध संपादक : आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल , मोबाइल नं. 9827222811 (समस्त प्रकरणों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)